www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 32 || लखनऊ
शनिवार
02 मई 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:28
सूर्यास्त: 06:39
अधिकतम: 34°00
न्यूनतम: 24°00

» पेज 03

विशेष समाचार | पाकिस्तान : सिंध प्रांत में बढ़ रहे ... » पेज 02 | महिलाओं ने स्मार्ट मीटर ... » पेज 04 | 38 की हुई अनुष्का शर्मा...

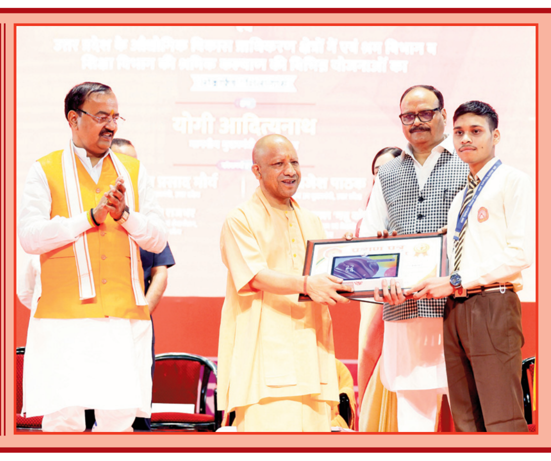

श्रमिकों को 5 लाख का बीमा मिलेगा : योगी

मजदूर दिवस पर कहा- जो काम का दाम नहीं देगा, उसका काम तमाम होगा

- **1** करोड़ श्रमिकों को आयुष्मान हेल्थ कार्ड देने की योजना।
- **2** करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन का लाभ।
- **16** करोड़ लोगों को मुफ्त राशन वितरण।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में 15 लाख श्रमिकों को 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। शुक्रवार को सीएम योगी ने लखनऊ में मजदूर दिवस पर इसका ऐलान किया। सीएम ने कहा- हमने बचपन में देखा है कि लोग काम कराते थे, लेकिन जब पैसे देने की बारी आती थी तो भुगतान नहीं करते थे। अब सरकार ने तय किया है कि ऐसा नहीं चलेगा। अगर काम किया है तो काम का दाम भी देना पड़ेगा। जो काम का दाम नहीं देगा, उसका काम सरकार तमाम करेगी। इससे पहले, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 75 जिलों से आए 75 श्रमिकों से बात की। उन्होंने देसी अंदाज में पूछा कि तुम लोगन के लड़कन-लड़की अटल आवासीय विद्यालय मा पढ़ रहे हैं न? तुम्हार जी जुड़ान कि नाहीं।

» (शेष पेज 04 पर)

योगी ने कहा- पहले कुछ लोग गरीबों का राशन हड़प लेते थे। अब प्रदेश के 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। जो भी गरीबों के हक में डकैती डालता था, उसकी जगह अब हवालात में है। कोरोना की त्रासदी को याद करिए, विपक्षी नेता रजाई तानकर सो गए थे। कोई सामने नहीं आ रहा था। अगर कोई सामने आया तो वह डबल इंजन की सरकार थी।

12 साल में 4 करोड़ लोगों को आवास मिला

सीएम ने कहा- पिछले 12 साल में 4 करोड़ लोगों को आवास दिया गया। 65 लाख लोगों को आवास दिया गया। देश के अंदर 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाए गए। यूपी के अंदर 2.61 करोड़ घरों में शौचालय बनवाए। सीएम योगी ने कहा- पीएम मोदी ने महाकुंभ में श्रमिकों के पांव धोए। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, राम मंदिर बनाने वाले श्रमिकों के ऊपर फूल बरसाए गए।

जो काम का दाम नहीं देगा, उसका काम तमाम होगा

योगी बोले- हमने बचपन में देखा कि लोग काम कराते थे, जब पैसे देने की बारी आती तो पैसे नहीं देते थे। अब सरकार ने कहा है कि ऐसा नहीं चलेगा। अगर काम किया है तो काम का दाम भी देना पड़ेगा। काम का दाम जो नहीं देगा, उसका काम तमाम सरकार करेगी। श्रमिकों के लिए इस इच्छाशक्ति के साथ काम हो रहा है।

उत्तर प्रदेश, उद्यम प्रदेश बनकर देश का ग्रोथ इंजन बना

सीएम योगी ने कहा उत्तर प्रदेश, उद्यम प्रदेश बनकर देश का ग्रोथ इंजन बना है। यह केवल भाषण से नहीं हुआ। इसके लिए काम किए गए हैं। आज चाहे आप सीतापुर के हों या किसी जिले के। लखनऊ में भी राशन ले सकते हैं। सीएम योगी ने कहा- प्रदेश में 1947 से 2017 तक में 14000 उद्योग लग पाए। उसके बाद 2017 से अब तक में कुल 32000 उद्योग हो गए हैं। मतलब 18000 नए उद्योग लगे और 65 लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी मिली। सीएम ने कहा- याद करिए कोरोना की त्रासदी को, विपक्षी नेता रजाई तानकर सो गए थे। कोई सामने नहीं आ रहा था। अगर कोई सामने आया तो वह थी डबल इंजन की सरकार। हमने 14 हजार बसें एनसीआर में भेजीं।

सीएम योगी की 5 बड़ी बातें...

1- उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कोई सुरक्षा की गारंटी नहीं होती। हम तैयारी कर रहे हैं कि उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को 5 लाख का बीमा मिले। हम नहीं चाहते कि किसी के साथ कोई घटना हो। लेकिन, विपरीत परिस्थितियों में उनके परिवार को मदद मिलनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के एक करोड़ श्रमिकों को आयुष्मान योजना के तहत हेल्थ कार्ड मिलेगा। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं।

2- जो लोग समृद्धि के विरोधी हैं, विकास के विरोधी हैं, वो नहीं चाहते कि हम उन्नति करें। वो बहकाएंगे लेकिन हमें बहकना नहीं है। याद रखना- जहां औद्योगिक अशांति हुई है, वहां खंडहर के सिवाय कुछ नहीं बचा। हमें किसी भी स्थिति में औद्योगिक अशांति नहीं होने देना है।

3- दीं, गर्मी, बरसात कोई भी मौसम हो, श्रमिक लगे रहते हैं। इसके बावजूद वे अभाव में जीते हैं। वे हमारे लिए घर बनाते थे, लेकिन विडंबना है कि हम अब तक उनके लिए घर नहीं दे पाए। जो श्रमिक दूसरों के लिए इज्जतघर बनाते थे, उनकी इज्जत सड़कों पर थी। जो दूसरों के बच्चों के लिए स्कूल बनाते थे, उनके बच्चे खुद मुख्यधारा से अलग थे।

4- याद करिए कोरोना की त्रासदी को, विपक्षी नेता रजाई तानकर सो गए थे। कोई सामने नहीं आ रहा था। अगर कोई सामने आया तो वह थी डबल इंजन की सरकार। हमने 14 हजार बसें एनसीआर में भेजीं। आदेश दिया कि कोई भी श्रमिक उत्तर प्रदेश आएगा, उसके लिए आवास, रहना-खाना एकदम फ्री में रहना चाहिए। उस समय 1 करोड़ लोगों को रहने की व्यवस्था की। सबका राशन कार्ड बनवाया गया। पहले 15 दिन, फिर जब तक कोरोना काल चला तब तक उन्हें फ्री में राशन दिया। उसके बाद वह राशन अब तक जारी है।

5- आपके बच्चे पढ़ाई से वंचित नहीं रहेंगे। उनके लिए अटल आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां सीबीएसई बोर्ड की भी पढ़ाई कराई जा रही है। आज नोएडा के जेवर में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय की आधारशिला रखी है जिसमें केवल श्रमिकों के बच्चों का एडमिशन होगा।

अजय राय की अचानक तबीयत बिगड़ी, बेहोश हुए

पार्टी दफ्तर में थे, तभी सीने में तेज दर्द उठा, मेदांता में एडमिट

- अजय राय तबीयत खराब होने से पहले शिक्षक और डॉक्टरों के सम्मेलन में शामिल हुए थे, जिसमें उनके साथ अविनाश पांडेय और सुप्रिया श्रीनेत साथ थे।
- मेदांता अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती होने के बाद अजय राय का ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय की शुक्रवार दोपहर अचानक तबीयत बिगड़ गई। वे बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इमरजेंसी में एक्सपर्ट डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज हुआ। ब्रेन स्ट्रोक या हार्ट अटैक की आशंका को देखते हुए जांच की गई। डॉक्टर्स की टीम देखभाल में लगी हुई है। जिस वक्त अजय राय की तबीयत बिगड़ी, वे पार्टी मुख्यालय में एक कार्यक्रम में थे। अचानक उन्हें बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत हुई।

» (शेष पेज 04 पर)

एमपी के क्रूज हादसे में 9 शव मिले, 4 लापता

जबलपुर में बेटे को छाती से चिपकाए मिली मां, क्रूज पायलट समेत 3 बर्खास्त

तमसा संकेत, एजेंसी

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम करीब 5 बजे पर्यटन विभाग का एक क्रूज अचानक आई तेज आंधी के चलते डूब गया। अब तक 9 शव मिल चुके हैं। प्रशासन के मुताबिक, 28 लोगों को बचा लिया गया है। तीन बच्चों सहित 4 लोग लापता हैं। शुक्रवार शाम तक लापता लोगों का पता नहीं चल सका। रेस्क्यू के दौरान वहां तेज बारिश भी होने लगी। इसके बाद सर्चिंग रोक दी गई है। शनिवार सुबह एक बार फिर सर्चिंग की जाएगी। इधर, जबलपुर के बरगी जलाशय में हुए दुखद क्रूज हादसे के बाद प्रशासन ने लापरवाही के मामले में कड़ा कदम उठाया है। क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी (FOA) बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं। वहीं, होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया है। रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

» (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शिमला से दिल्ली रवाना

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज (शुक्रवार को) शिमला से दिल्ली लौट गई हैं। उन्होंने अन्नाडेल से दिल्ली से लिए उड़ान भरी। इससे पहले राष्ट्रपति शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण संस्थान (आरट्रैक) पहुंचीं। आरट्रैक में सेना के एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वह दिल्ली लौट गई हैं। इस दौरान हिमाचल के गवर्नर कविंदर गुप्ता, सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

यूपी-बिहार-कर्नाटक में 2 दिन में आंधी-बारिश से 32 मौतें

नई दिल्ली/जयपुर/भोपाल। पिछले 15 दिन से भीषण गर्मी झेल चुके देश के बड़े हिस्से में गुरुवार को तेज हवाओं के साथ बारिश से कुछ राहत मिली। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, झारखंड में आंधी-बारिश और ओले गिरने से तापमान में 3-5°C तक की गिरावट हुई। यूपी में गुरुवार को पिछले दो दिनों के दौरान आंधी-बारिश से 17 लोगों की मौत हो गई। बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। कर्नाटक के बेंगलुरु में बुधवार रात तेज बारिश और आंधी के दौरान हुई अलग-अलग घटनाओं में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है।

केंद्र ने नागरिकता नियमों में बदलाव किए

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन करना होगा। साथ ही फिजिकल कार्ड के साथ e-OCI दस्तावेज की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया ज्यादा सरल और डिजिटल हो जाएगी। नए नियमों में साफ किया गया है।

ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे : ट्रम्प

मैंने वहां जो किया वो कामयाब रहा, ईरानी सरकार ने 42,000 बेगुनाहों को मारा

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर आप (दुनिया) इससे सहमत हैं, तो मैंने जो किया वह पूरी तरह सफल रहा, क्योंकि हमारी सेना ने उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान की सरकार ने वहां विरोध प्रदर्शन करने वाले 42,000 बेगुनाह और निहत्थे लोगों की हत्या की है। यह एक उग्रवादी समूह है, लेकिन हमने उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया है और उनकी

अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है। वहीं, अमेरिका पहली बार ईरान के खिलाफ हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के मुताबिक एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रम्प के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रम्प दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है। अमेरिका की सेना के सेंट्रल कमांड ने बताया कि उनकी नौसेना के जहाजों को लगातार ईंधन, खाना और हथियार भेजे जा रहे हैं। कुछ तस्वीरें भी शेयर की गईं, जिनमें USS डेल्बर्ट डी ब्लैक जहाज पर सामान चढ़ाते दिखाया गया। यह जहाज USS अब्राहम लिंकन ग्रुप के साथ काम कर रहा है।

15 मतदान केंद्रों पर होगी दोबारा वोटिंग

सुवेंदु अधिकारी कोलकाता के ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार शाम 6.30 बजे कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल में EVM स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। वे यहां करीब 10 मिनट रुके। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में गुरुवार रात को सीएम ममता बनर्जी 4 घंटे बैठी रही थीं। दरअसल TMC ने चुनाव अधिकारियों पर बिना सूचना दिए EVM स्ट्रॉन्ग रूम खोलने, EVM से छेड़छाड़ और वहां संदिग्ध लोग मौजूद होने के आरोप लगाए हैं। वहीं चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 15 बूथों पर शनिवार को दोबारा वोटिंग कराने का फैसला किया है। दरअसल 29 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान डायमंड हार्बर के 4 और मगराहट पश्चिम के 11 बूथों पर हिंसा, EVM से छेड़छाड़ और झड़प हुई थी। उधर, कोलकाता के सात EVM स्ट्रॉन्गरूम में सिक्योरिटी सख्त कर दी गई है। पुलिस ने 200 मीटर के दायरे में 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकठ्ठा होने पर रोक लगा दी है। सेंट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्सेस (CAPF) की करीब 700 कंपनियां तैनात की गई हैं। प्रशासन ने यह फैसला खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर गुरुवार रात TMC और BJP कार्यकर्ताओं के 5 घंटे विरोध-प्रदर्शन के बाद लिया गया है। गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल के स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचीं और लगभग 4 घंटे अंदर रहीं थीं।

> चुनाव आयोग ने मतगणना के दिन ऑब्जर्वर्स के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। हर राउंड की काउंटिंग के दौरान संबंधित ऑब्जर्वर्स को मौके पर स्वयं मौजूद रहना होगा। सिर्फ मौजूद रहना ही नहीं, हर फेज की जांच भी उन्हें खुद करनी होगी। मतगणना के आंकड़ों में किसी तरह की गड़बड़ी या अंतर पाए जाने पर उसकी जवाबदेही भी संबंधित ऑब्जर्वर्स की होगी।

हल्दिया के डीसीआरसी सेंटर में एक महिला फेक आईडी कार्ड से घुसी

हल्दिया में शनिवार को एक अनजान महिला डिस्ट्रीब्यूशन रिसेप्शन सेंटर (DCRC) में घुसी। सुरक्षाकर्मियों ने जब पूछताछ की तो उसने खुद को पश्चिम बंगाल IT इंफ्रास्ट्रक्चर डिपार्टमेंट की कर्मचारी बताया। आखिर में उसे तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने रोका, जिसके बाद इलेक्शन कमीशन के अधिकारी आए और कहा कि यह एक गलती थी और वह अनजाने में वहां आ गई थी। हालांकि बाद में पता चला कि महिला का ID कार्ड नकली था और इसे अंदर के ही किसी शख्स ने बनाया था। हल्दिया के इस स्ट्रॉन्ग रूम में नंदीग्राम के साथ-साथ पूर्वी मेदिनीपुर के कई विधानसभा क्षेत्रों की EVMs रखी हैं।

» (शेष पेज 04 पर)

राहत : बिना बताए भारत न छोड़ें, कांग्रेस बोली- खेड़ा को डराने के लिए 60 पुलिसकर्मी भेजे गए

सुप्रीम-कोर्ट ने पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी

तमसा संकेत, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी। मामला असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये आरोप लगाए थे। इसके बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में FIR दर्ज कराई थी इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने खेड़ा के दिल्ली स्थित घर पर रेड की थी। कोर्ट के फैसले के बाद जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर कहा- 60 पुलिसवालों को खेड़ा के घर पर भेज दिया। भारी संख्या में पुलिस भेजने का कारण सिर्फ डराना और उत्पीड़न करना था। कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद

असम सीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि- मुझे किसी से भी लोकतंत्र पर सबक सीखने की जरूरत नहीं है। इस केस में असली मुद्दा यह है कि एक महिला की छवि को राष्ट्रीय स्तर पर उछाला गया, जिसका राजनीति से कुछ लेना-देना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि अदालतें जल्द ही या बाद में इस पर संज्ञान लेंगी और चुनावी परिणामों को प्रभावित करने के लिए झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल करने वालों को सजा मिलेगी।

> सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा- आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रभावित लगते हैं। लेकिन पवन खेड़ा को असम पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा और वे बिना अदालत की अनुमति के भारत नहीं छोड़ सकते।

कांग्रेस बोली- ऐसी कई बातें हैं जो हम बोल नहीं सकते

कोर्ट की सुनवाई खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री को तीन पन्नों में कोट किया है। ऐसी कई बातें हैं जो न न्यायालय कोट कर सकता है और न हम यहां बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में असम के मुख्यमंत्री को सोचना चाहिए कि क्या एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ये शोभा देता है? हम चाहते हैं कि असम के मुख्यमंत्री इस बारे में गंभीरतापूर्वक विचार कर खेद व्यक्त करें।

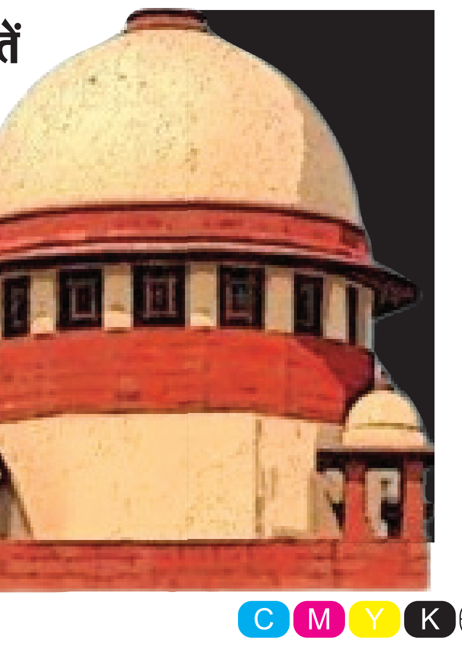

जनगणना के लिए पहुंची महिला कर्मचारी से बदसलूकी

जरूरी जानकारी देने से भी इनकार किया, आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में नेशनल जनगणना के काम के दौरान एक महिला अधिकारी के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है, जिसने महिला कर्मचारी को गाली दी और काम करने से रोका। पुलिस ने बताया कि घटना 30 अप्रैल को शाम करीब 4 बजे की है। महिला एन्यूमरेटर जनगणना के काम के लिए टी दसरहल्ली इलाके के मल्लासंद्रा में एक घर पर गई थीं। उसी दौरान आरोपी ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। शिकायत जनगणना सुपरवाइजरी ऑफिसर योगेश ओ जी ने दर्ज कराई है। उनके मुताबिक आनंद मुनियप्पा नाम के व्यक्ति ने जनगणना का काम रोकने की कोशिश की और महिला कर्मचारी से गाली-गलौज की। FIR में कहा गया है कि उसने जरूरी जानकारी देने से भी इनकार कर दिया। इसी के साथ आरोपी ने महिला अधिकारी को उनकी ड्यूटी करने से भी रोका। पुलिस के अनुसार, इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और जनगणना अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। बागलगुंटे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है ।

सम्पादकीय

विपक्ष के आगे लाचार सत्तारुढ़ भाजपा

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की मुहिम अब भाजपा के लिए चुनावी हथियार बन चुकी है। पाठक जानते हैं कि हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया था। जबकि सारे जरूरी काम कुछ दिन पहले खत्म बजट सत्र में भी किए जा सकते थे। लेकिन विशेष सत्र बुलाने पर विशेष कवरेज भी सरकार को मिलता और यही भाजपा का मकसद भी था। महिलाओं के आरक्षण से जुड़ा नारी शक्ति वंदन अधिनियम तो 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका था। फिर भी इसे तीन साल तक अमल में लाने लायक नहीं बनाया गया। मोदी सरकार ने इसे आगामी जनगणना और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन तक ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जबकि महिला आरक्षण को लागू करके 2024 के लोकसभा और तब से संपन्न कई विधानसभा चुनाव कराए जा सकते थे। लेकिन इसमें भाजपा को चुनावी फायदा शायद नहीं होता। इसलिए 131वें संविधान संशोधन विधेयक की आड़ में पहले से ही पारित महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा संसद के पटल पर रखने की चाल भाजपा ने चली। मगर विपक्ष की एकजुटता और दमदार विरोध से यह विधेयक संसद में गिर गया। कायदे से इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए था क्योंकि इससे उनकी सरकार के अल्पमत में होने का प्रमाण मिल चुका था। लेकिन इसकी जगह अब विपक्ष को महिला विरोधी बताने की मुहिम देश भर में भाजपा ने छेड़ दी है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में विधानसभाओं के विशेष सत्र इसी मुद्दे पर बुलाए गए और मजेदार बात ये है कि कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरने के लिए जो शब्दावली इस्तेमाल में लायी जा रही है, वो एक ही कलम से निकली हुई लग रही है। जैसे भाजपा की ट्रोल आर्मी सोशल मीडिया पर किसी को चने के झाड़ पर चढ़ाने या फिर उसे बदनाम करने के लिए एक जैसे पोस्ट थोक के भाव में करवाती है, कुछ वैसा ही माहौल अब विधानसभाओं का बनाया जा रहा है। जैसे उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने समाजवादी पार्टी के लिए कहा कि 'आपके आचरण पर तो गिरगिट भी शरमा जाए। आज अगर आप 33 प्रतिशत आरक्षण की बात कर रहे हैं, तो संसद में इसका विरोध क्यों किया था?' योगी ने कहा कि 'आप आधी आबादी की गरिमा, सम्मान और उत्थान के लिए उठाए गए हर सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं। लोकसभा में 16 और 17 अप्रैल को आपका आचरण सबने देखा। वहीं मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही कहा संविधान संशोधन का श्रेय हमें नहीं चाहिए। कांग्रेसी साथियों की नकारात्मकता ऐसी रही है कि, वे पक्ष में और विपक्ष में रहते हुए महिला आरक्षण का विरोध करते हैं। कांग्रेसी गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं। इससे तो गिरगिट भी शरमा जाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को कोई भी परिसीमन के संशोधन के बिना पास नहीं कर सकता है। अब सोचने वाली बात ये है कि विपक्ष के विरोध के लिए गिरगिट ही आदित्यनाथ योगी और डॉ.मोहन यादव को क्यों याद आई। क्या इन दोनों में से कोई भी दूसरा उदाहरण पेश नहीं कर सकता था। वहीं दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नारी शक्ति अधिनियम के संसद में पास ना होने पर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद कांग्रेस और सपा को नारी विरोधी, विश्वासघाती कहा गया। साथ ही विरोध का खास जोर राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर रहा। विधानसभाओं के विशेष सत्र के अलावा 29 तारीख को काशी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 'काशी के सांसद के तौर पर, देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुझे देशहित के एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आपका आशीर्वाद चाहिए। और यह बड़ा लक्ष्य है, लोकसभा-विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करना। अभी कुछ दिन पहले सपा और कांग्रेस जैसे दलों की वजह से हमारा यह प्रयास संसद में सफल नहीं हो पाया, लेकिन मैं आप सभी बहनों को फिर से भरोसा देता हूं कि आपके आरक्षण का हक लागू हो, इसमें कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ूंगा।' 2014 से श्री मोदी के पास देश की सत्ता है, सारे संसाधन, प्रशासनिक तंत्र, अधिकारी उनके मातहत हैं और वे चाहें तो इनका सकारात्मक उपयोग करके देश के सूरतेहाल बदल डालें। लेकिन प्रधानमंत्री 12 साल बाद भी जनता से उसका आशीर्वाद ही मांग रहे हैं कि मैं ये करुंगा, वो करुंगा। पता नहीं हमारे प्रधानमंत्री कितने लाचार हैं कि हर मंच से वे केवल अपना दुखड़ा ही बताते हैं कि विपक्ष उनको कितना परेशान करता है। सत्ता पर बैठकर विपक्ष का रोना रोने वाली सरकार पहली बार देश को मिली है और अकेले प्रधानमंत्री ही नहीं, उनका देखा-देखी अब राज्यों के मुख्यमंत्री भी काम करने की जगह विपक्ष को कोस रहे हैं। पहले सरकार से नाराजगी होती थी तो जनता प्रधानमंत्री या सत्तारुढ़ नेताओं के पुतले फूंका करती थी, लेकिन मोदी राज में उल्टी गंगा बह रही है। उत्तरप्रदेश में बिजनौर, बहराइच जैसे कई जिलों में राहुल गांधी और अखिलेश यादव के पुतले भाजपा नेताओं ने फूंके। मानो विपक्ष ने सरकार के किसी काम का विरोध कर कोई अपराध कर दिया हो। भाजपा नेताओं ने यह भी नहीं सोचा कि लोकतंत्र है तो उसमें कम से कम दो पक्ष होंगे ही। चीन या उत्तर कोरिया की तरह देश में अभी एकल पार्टी व्यवस्था नहीं बनी है, न ही एक व्यक्ति ही सर्वोपरि है।

पाकिस्तान : सिंध प्रांत में बढ़ रहे असंतोष, पंजाबी वर्चस्व के खिलाफ आक्रोश के नए संकेत

> जहां राज्य प्राधिकरण सिंधी राष्ट्रवादियों की आवाज़ को दबाने में व्यस्त रहे, वहीं अपराधी पूरे प्रांत में, विशेषकर कराची में, बेखौफ घूमते रहे। ये अलगाववादी सड़क अपराध सुरक्षा तंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभर रहे हैं। 2026 के पहले तीन महीनों में कराची में 14,000 से अधिक घटनाएँ दर्ज की गईं।

वैसे तो संपूर्ण पाकिस्तान ही संगठित आपराधिक गिरोह और आतंकवादी संगठनों की जद में है लेकिन इधर के दिनों में न केवल आतंकवाद नहीं अपितु संगठित आपराधिक समूह भी कानून व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती खड़ी करने लगे हैं। विगत 17 अप्रैल 2026 को सिंध प्रांत की राजधानी करांची के ओरंगी टाउन मंगोपिर क्षेत्र में सशस्त्र हमले में एक पुलिसकर्मी मारा गया। हमले में मारे गए सुरक्षाकर्मी की पहचान कांस्टेबल खादिम अली शाह के रूप में हुई। वहीं दूसरा सुरक्षाकर्मी, जिसकी पहचान, मोहम्मद तुफैल खान के रूप में हुई है, बुरी तरह घायल हो गया। यह घटना बेहद गंभीर है। इस घटना को इसलिए भी जटिल माना जा रहा है कि हमले की जिम्मेदारी Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) ने ली है। वहीं दूसरी ओर 17 अप्रैल 2026 को ही, सुरक्षा बलों (SFs) ने कराची के लियारी टाउन में एक संयुक्त अभियान के दौरान टीटीपी के तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद, जिनमें एक 30-बोर पिस्तौल और 18 कारतूस शामिल थे, बरामद किए गए। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, आतंकवादियों ने कथित तौर पर महत्वपूर्ण खुलासे किए जिनमें कराची में एक बड़े हमले की योजना का खुलासा हुआ। बीते 10 अप्रैल 2026 को एक नमाज़ी रेहान, पुत्र गुलाम नबी, को कराची में ख्वाजा अजमेर नगरी पुलिस स्टेशन के सेक्टर 5C-1 में एक मस्जिद के बाहर अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना तब हुई जब सशस्त्र मोटरसाइकिल सवारों ने फजर की नमाज़ के तुरंत बाद फारूक-ए-आज़म मस्जिद के प्रवेश द्वार पर रेहान पर फायरिंग कर दी। 10 अप्रैल 2026 को ही, संघीय जांच एजेंसी (FIA) के साथ संयुक्त अभियान में, काउंटर-टेररिज्म विभाग (CTD) ने कराची के यूनिवर्सिटी रोड के पास प्रतिबंधित शिया आतंकवादी संगठन Zainabiyoun Brigade से जुड़े एक टारगेट किलर को गिरफ्तार किया। CTD द्वारा जारी एक

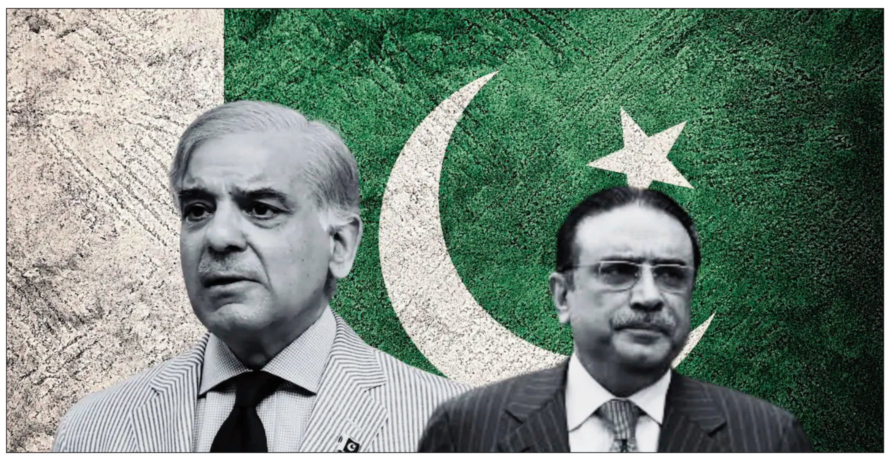

बयान के अनुसार, ''अभियान के दौरान, टीम ने टारगेट किलर मुहम्मद फरहान खान, पुत्र मुहम्मद इस्माइल को गिरफ्तार किया और उसके पास से एक 9 MM पिस्तौल के साथ आठ गोलियों से भरी मैगज़ीन बरामद की। इस पिस्तौल का उपयोग 2023 की लक्षित हत्या में किया गया था। वह पहले भी कई सांप्रदायिक और धार्मिक आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहा है।'' South Asia Terrorism Portal द्वारा संकलित विश्वस्त आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान वर्ष में (19 अप्रैल 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार) सिंध में आतंकवाद से संबंधित 10 मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें आठ आतंकवादी, एक नागरिक और एक सुरक्षा बल का जवान शामिल है। 2025 की इसी अवधि के दौरान, प्रांत में 12 मौतें दर्ज की गई थीं (सात सुरक्षा बल कर्मी, पाँच नागरिक और एक आतंकवादी)। वहीं, पूरे वर्ष 2025 में सिंध में 49 आतंकवाद-संबंधित मौतें दर्ज की गईं (26 नागरिक, 16 सुरक्षा बल कर्मी और सात उग्रवादी) जबकि 2024 में यह संख्या 38 थी (15 नागरिक, 14 सुरक्षाबल कर्मी और नौ उग्रवादी) जो 28.94 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। नागरिकों की मौतें 2024 में 15 से बढ़कर 2025 में 26 हो गईं जो 73.33 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी तरह, सुरक्षा बलों की मौतें 2024 में 14 से बढ़कर 2025 में 16 हो गईं। वहीं, आतंकवादियों की मौतें 2024 में नौ से घटकर 2025 में सात हो गईं। यह मामला देखने में सहज लगता है लेकिन नागरिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चुनौती प्रस्तुत कर रहा है। आतंकवाद के अन्य मानकों में भी पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई। 2025 में पाँच बड़े घटनाक्रम (प्रत्येक में कम से कम तीन मौतें) दर्ज किए गए, जबकि 2024 में ऐसे चार घटनाक्रम थे। इसी तरह, बड़े घटनाक्रमों से होने वाली मौतें 2024 में 13 से बढ़कर 2025 में 19 हो गईं। 2025 का प्रमुख हमला 26 अगस्त को हुआ, जब टीटीपी आतंकवादियों ने कराची में साइट सुपर हाईवे पर फकीरा गोठ क्षेत्र के पास फायरिंग की, जिसमें चार लोग मारे गए और एक घायल हुआ। टीटीपी ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए बयान जारी किया। सिंध में विस्फोट की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। 2025 में ऐसी 14 घटनाएँ हुई, जिनमें 14 मौतें हुई, जबकि 2024 में ऐसी नौ घटनाएँ हुई थीं, जिनमें 10 मौतें हुई थीं। जानकार बताते हैं कि सिंध के 30 जिलों में से प्रांतीय राजधानी कराची आतंकवाद का केंद्र बनता जा रहा है। 2025 में प्रांत में दर्ज 49 मौतों में से केवल कराची में 31 मौतें हुई। शेष 18 मौतें कश्मोर जिला (8), घोटकी जिला (6), नौशहरो फिरोज जिला (2), लरकाना जिला (1) और बदिन जिला (1) में दर्ज की गई। 2024 में प्रांत में दर्ज 38 मौतों में से कराची में 27 मौतें हुई, जबकि शेष 11 मौतें घोटकी (5), कश्मोर (2), शिकारपुर (2), जैकबाबाद (1) और जमशोरो (1) में दर्ज की गईं। टीटीपी और बलूच अलगाववादी समूहों सहित इस्लामवादी आतंकवादी संगठनों के अलावा, सिंधी अलगाववादी समूह जैसे Sindhudesh Revolutionary Army और Sindhudesh Liberation Army भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। जानकारों की मानें तो बलूच अलगा-ववादी समूहों के साथ समन्वय में, सिंधी संगठनों ने क्षेत्र में पंजाबी वर्चस्व का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करना प्रारंभ कर दिया है। 2 मार्च 2025 की एक मीडिया रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि SRA ने Baloch Raji Aajoi Sangar में शामिल होकर पाकिस्तान की केन्द्रीय सरकार और चीन के खिलाफ अपने अभियानों को तेज कर दिया है। एक बयान में BRAS के प्रवक्ता बलोच खान ने बताया कि BLA, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (BLF), बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (BRG) और SRA के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। इस गठबंधन का परिणाम 4 मार्च 2025 के हमले में देखा गया, जब SRA कैडरों ने सिंध के सुजावल जिले (पूर्व में ठट्टा जिला) के सुजावल-मीरपुर बठोरो रोड पर नेशनल लॉजिस्टिक्स सेल (NLC) के वाहनों पर घात लगाकर हमला किया गया।

गौतम चौधरी

इस तापीय विभीषिका ...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

डॉ घनश्याम बादल तपता भारत और जलवायु परिवर्तन की भीषण पदचाप

भारत इस समय जिस प्रचंड ग्रीष्म लहर और असामान्य ताप वृद्धि के दौर से गुजर रहा है, वह अब केवल मौसमी उतार-चढ़ाव का साधारण विषय नहीं रह गया है। यह हमारे पारिस्थितिक तंत्र में आ रहे उस गहरे असंतुलन की गवाही है जिसे वैज्ञानिक जगत में 'जलवायु आपातकाल' पुकारा जा रहा है। हालिया शोध और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के तुलनात्मक आंकड़े डराने वाले हैं। वर्ष 2026 की यह गर्मी महज एक असामान्य परिवर्तन है, देश के कई हिस्सों में पारा सामान्य से साढ़े चार डिग्री से लेकर छह डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया है। यह वृद्धि उस तबाही का स्पष्ट संकेत है जो हमारे जीवन, जीविका और जल संसाधनों को अपनी चपेट में ले रही है। स्कूलों की छुट्टी, सामान्य जन जीवन प्रभावित होना तय है। बढ़ती आग की घटनाएं , व्यापार पर असर , डिहाइड्रे-शन , बीमारी आदि त्वरित प्रभाव हैं, पर दीर्घ कालिक असर भी समझना चाहिए। तथ्यों के आईने में देखें तो भारत में बढ़ते तापमान का एक बड़ा कारण 'अल नीनो' के साथ-साथ वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सांद्रता है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के चलते वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर अब उस खतरनाक बिंदु को पार कर चुका है, जो पिछले आठ लाख वर्षों में कभी नहीं देखा गया। यदि ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में बात करें, तो पिछले 120 वर्षों में भारत के औसत तापमान में लगभग पौन डिग्री सेल्सियस (0.7 डिग्री) की बढ़ोत्तरी हुई है। पहली नजर में यह आंकड़ा छोटा लग सकता है, लेकिन पृथ्वी के संतुलन के लिए तापमान में एक डिग्री का दसवां हिस्सा बढ़ना भी प्रलयकारी होता है। चिंताजनक बात यह है कि इस वृद्धि की गति

पिछले तीन दशकों में पहले के मुकाबले कहीं अधिक तीव्र हुई है। शहरी क्षेत्रों में स्थिति और भी भयावह है, जिसे वैज्ञानिक 'हीट आइलैंड इफेक्ट' कहते हैं। हमारे शहरों में बढ़ते कंक्रीट के जंगल और डामर की सड़कें दिन भर सूर्य की ऊष्मा को सोखती हैं और रातों को उसे वापस वायुमंडल में छोड़ती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि रातें भी ठंडी नहीं हो पा रही हैं, जिससे मानव शरीर को दिन भर की गर्मी से उबरने का प्राकृतिक अवसर ही नहीं मिल रहा। यह शहरी ढांचा गर्मी को कैद करने वाला एक ऐसा पिंजरा बन गया है जहाँ से बाहर निकलने का कोई रास्ता नजर नहीं आता। इस तापीय विभीषिका का सीधा प्रहार हमारी कृषि और खाद्य सुरक्षा पर पड़ रहा है। शोध बताते हैं कि तापमान में होने वाली हर एक डिग्री सेल्सियस की औसत वृद्धि गेहूँ की पैदावार को चार से पांच प्रतिशत तक घटा सकती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की थाली पर संकट है। इसके साथ ही, बढ़ता 'आर्द्र तापमान' (हीट और ह्यूमिडिटी का मिश्रण) मानव सहनशक्ति की अंतिम सीमाएं लांघ रहा है। जब हवा में नमी और गर्मी एक साथ बढ़ती है, तो पसीना सूखना बंद हो जाता है और शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पाता। तटीय और मैदानी इलाकों में यह स्थिति अब जानलेवा स्तर तक पहुँचने लगी है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से देखें तो उत्तर में हमारे ग्लेशियरों के पिघलने की दर अब पहले के मुकाबले दोगुनी हो चुकी है। यह स्थिति आने वाले समय में गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी बारहमासी नदियों के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लगाती है। दूसरी ओर, भीषण गर्मी के कारण बिजली की मांग ने हमारे ऊर्जा ग्रिडों पर अप्रत्याशित दबाव डाला है। यह एक आत्मघाती दुष्चक्र बन चुका है , जितनी अधिक गर्मी होगी, हम उतने ही ज्यादा एयर कंडीशनर चलाएंगे, और उन मशीनों को चलाने के लिए जितनी अधिक बिजली कोयले से पैदा होगी, वातावरण उतना ही ज्यादा गर्म होता जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आपदा आने के बाद जागने की आदत छोड़कर 'जलवायु लचीलेपन' की दिशा में कार्य करें। मियावाकी पद्धति से सघन शहरी वनों का विकास, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार और 'नेट जीरो' उत्सर्जन के लक्ष्यों को समय से पूर्व प्राप्त करने की दृढ़ इच्छाशक्ति ही हमें इस संकट से बचा सकती है। विवेकपूर्ण नीति निर्धारण और जन-भागीदारी के बिना हम इस तपती धरती को शीतल नहीं कर पाएंगे। समय आ गया है कि हम विकास की अंधी दौड़ को प्रकृति के तराजू पर तौलें, वरना भविष्य की पीढ़ियों के हिस्से केवल झुलसी हुई जमीन और प्रदूषित हवा ही आएगी। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ हमारा सामंजस्य ही अब हमारे सामूहिक अस्तित्व की एकमात्र कुंजी है।

अगर किसी दल...

डॉ घनश्याम बादल

एग्जिट पोल : अनुमान का अहंकार, जनादेश का अपमान

बंगाल असम पुडुचेरी तमिलनाडु एवं केरल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। मतदान की धूल अभी बैठी भी नहीं है और टीवी स्टूडियो की रोशनी तेज हो गई है, ग्राफिक्स चमकने लगे हैं और तथाकथित "एग्जिट पोल" देश के सामने भविष्यवाणी का परोसा हुआ थाल लेकर हाज़िर हैं। दावा यह कि जनता ने क्या फैसला किया है, वे बता देंगे, वह भी आधिकारिक मतगणना से पहले लेकिन हर चुनाव के बाद वही पुराना सवाल सिर उठाता है कि ये एग्जिट पोल वास्तव में सार्थक हैं, या फिर यह महज़ एक व्यवस्थित भ्रम है, जो लोकतंत्र के धैर्य और गंभीरता के साथ खिलवाड़ करता है? एग्जिट पोल की मूल अवधारणा सरल है- मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए मतदाताओं से पूछना कि उन्होंने किसे वोट दिया। इस "सैंपल" के आधार पर पूरे राज्य या देश का अनुमान तैयार किया जाता है। सुनने में यह वैज्ञानिक लगता है पर ज़मीन पर इसकी विश्वसनीयता अक्सर संदिग्ध साबित होती है। हालिया पांच राज्यों के चुनावों में भी अलग-अलग एजेंसियों के एग्जिट पोल एक-दूसरे से इतने भिन्न हैं कि आम दर्शक के लिए यह तय करना मुश्किल है कि किसे सच माना जाए और किसे कल्पना। सवाल उठता है कि जब एक ही चुनाव के लिए अलग-अलग एग्जिट पोल अलग तस्वीर पेश करते हैं तो इनकी उपयोगिता क्या है? और उनकी ज़रूरत भी क्या है? अगर एक एजेंसी किसी दल को स्पष्ट बहुमत देती है और दूसरी उसे सत्ता से बाहर दिखाती है तो यह केवल "डेटा का अंतर" नहीं बल्कि पद्धति की खामी, नमूने की सीमाएं और कभी-कभी पूर्वाग्रहों का संकेत है। सच तो यह है कि एग्जिट पोल का विज्ञान अक्सर अपने ही दावों के बोझ तले दब जाता है। एग्जिट पोल की सबसे बड़ी

कमजोरी उसका सैंपल है। भारत जैसा विविधताओं से भरा देश, जहां भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्रीयता और स्थानीय मुद्दे मतदान के व्यवहार को प्रभावित करते हैं, वहां कुछ हज़ार लोगों से पूछकर करोड़ों मतदाताओं का रुझान तय कर देना बौद्धिक अतिसरलीकरण है। ऊपर से, हर मतदाता सच बोल ही दे, यह मान लेना भी एक तरह की भोली उम्मीद है। कई लोग झिझकते हैं, कुछ जानबूझकर गलत बताते हैं, और कुछ तो बातचीत से ही बचते हैं। ऐसे में जो डेटा मिलता है, वह आधा-अधूरा और कई बार भ्रामक होता है। अब आती है "नैरेटिव" की राजनीति। एग्जिट पोल केवल आंकड़े नहीं होते, वे माहौल बनाते हैं। अगर किसी दल को भारी बहुमत दिखा दिया जाए तो वह जीत की छवि गढ़ता है; अगर किसी को हारता हुआ बताया जाए, तो उसके समर्थकों में निराशा फैलती है। यह मनोवैज्ञानिक खेल है, जिसका असर बाजार से लेकर राजनीतिक रणनीति तक पर पड़ता है। शेयर बाजार की हलचल, गठबंधन की बातचीत, यहां तक कि कार्यकर्ताओं का मनोबल,सब कुछ इन अनुमानों से प्रभावित होता है। यानी, एग्जिट पोल केवल "सूचना" नहीं देते, वे एक खास किस्म का और खास वर्ग या दल के लिए कूट रचित "प्रभाव" भी पैदा करते हैं। यहीं पर एग्जिट पोल की नैतिकता पर सवाल खड़े होते हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

अखिलेशमणि त्रिपाठी

प्रदेश सरकार के कुशल प्रबन्धन से संचारी रोग हुआ नियंत्रित

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व एवं प्रबन्धन का ही परिणाम है कि प्रदेश के पूर्वांचल के जनपदों में गत चार-पांच दशकों से बच्चों में फैली जानलेवा जापानी बुखार व दिमागी बुखार जैसे संचारी रोग को नियंत्रित कर लिया गया है। प्रदेश के पूर्वी जनपदों में संचारी रोग दशकों से आमजन के स्वास्थ्य को प्रभावित करता रहा है। यह रोग विशेषकर 15 वर्ष से नीचे की आयु के बच्चों को प्रभावित करता रहा है। इस रोग से सैकड़ों बच्चों की जान चली जाती थी। किन्तु प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने वर्ष 2017 में सरकार गठन के उपरान्त लगातार व्यापक जनसहभागिता के माध्यम से बचाव के लिए साफ-सफाई, टीकाकरण, जांच, दवाओं का वितरण, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था कर दिमागी बुखार रोग पर प्रभावी नियंत्रण किया है। प्रदेश सरकार द्वारा संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान लगातार चलाकर समाज के अन्तिम व्यक्ति तक कार्यक्रम का सन्देश पहुंचाकर रोग से बचाव के उपायों पर बल देते हुए इस रोग को नियंत्रित किया है। प्रदेश में संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु अन्तर्विभागीय समन्वय एवं जनसहभागिता से चलाया जा रहा यह अभियान आज एक सशक्त मॉडल बन चुका है, जिसकी देश और विदेशों में चर्चा हो रही है। अन्तर्विभागीय समन्वय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के साथ बेसिक शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, पुष्टाहार, नगर विकास, कृषि, पशुपालन, उद्यान, जल निगम, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, चिकित्सा शिक्षा आदि है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान में 12 विभागों द्वारा समन्वय बनाकर कार्य किया जाता है, जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पोषाहार देते हैं। ग्रामीण ग्राम्य विकास व पंचायतीराज विभाग ग्राम स्तर पर नालियों, जल निकासी, गांवों की नियमित सफाई व मच्छर मारने की दवाओं का छिड़काव/फागिंग कराते है। नगर विकास विभाग गलियों-मुहल्लों की सफाई, खुली नालियों को ढकने, कूड़ा उठान, दवाओं का छिड़काव, फागिंग आदि करते है। उथले हैंडपम्पों को चिन्हित करते हैं। कृषि विभाग किसानों को वैकल्पिक सिंचाई की जानकारी, उद्यान विभाग मच्छर रोधी पौधों को उगाने, पशुपालन विभाग सुअरों के बाड़ों को आबादी से दूर रखने, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग एईएस व जेई रोग के उपरान्त यदि कोई बच्चा दिव्यांग हुआ है तो उसे चिन्हित कर इलाज व उपकरण दिलाये जाने का कार्य किया जाता है। चिकित्सा विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग जांच, दवाओं का वितरण, इलाज आदि समस्त स्वास्थ्य संबंधी कार्यों का दायित्व निभाते हैं। सरकार ने प्रदेश में लगातार चलाये जा रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के माध्यम से समाज और सरकार के बीच संवाद, सहयोग और विश्वास को मजबूत कर संचारी रोगों के विरुद्ध एक निर्णायक लड़ाई छेड़ रखी है। सरकार के अनवरत प्रयास और समाज के स्वैच्छिक सहभागिता का परिणाम है कि इस रोग के विरुद्ध अभूतपूर्व सफलता मिली है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने चिकित्सालयों में संचारी रोग के रोकथाम के लिए विशेष व्यवस्थायें की है। दिमागी बुखार के उपचार हेतु पूर्ण रूप से सुसज्जित 16 पीआईसीयू 15 मिनी पीआईसीयू, 117 ईटीसी, तथा 86 सेन्टीनल लैब संचालित है। प्रदेश सरकार संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु प्रतिवर्ष 3 चरणों में दस्तक एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाकर इस रोग पर पूर्ण नियंत्रण पाया है। प्रदेश के निष्क्रिय पड़े चिकित्सा केन्द्रों को उपकरण, दवायें तथा मानव संसाधन उपलब्ध कराते हुए इस अभियान को सक्रिय किया गया तथा आम जनता को उनके घर के निकट ही जांच, उपचार आदि समस्त स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराकर संचारी रोग को नियंत्रित किया है। प्रदेश के जनपदों में आशा कार्यकत्री हर घर में जाकर लोगों को दिमागी बुखार, डेगू, चिकनगु-निया, जापानी इन्सेफ्लाइटिस आदि रोगों से बचाव, लक्षणों एवं उपचार हेतु चिकित्सालयों पर मौजूद इलाज़ के सभी सुविधाओं के विषय में जानकारी देती है और आम जनता को जागरूक करती है। प्रदेश सरकार के समन्वय के अन्तर्विभागों द्वारा भी अपनी जिम्मेदारी निभाई जा रही है। सरकार द्वारा चलाये गये विशेष अभियानो का ही परिणाम है कि संचारी रोग नियंत्रित हो गया है। डेंगू रोगियों की संख्या में 94 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। डेंगू से होने वाली मृत्यु में 99 प्रतिशत की कमी आई। समय पर जांच, उपचार और रोकथाम उपायों ने डेंगू के प्रभाव को लगभग समाप्त कर दिया। उसी तरह जापानी इन्सेफ्लाइटिस (जे.ई.द्ध के मामलों में 96 प्रतिशत की कमी आई। जे.ई. से होने वाली मृत्यु में भी 99 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, जो पहले जे.ई. से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र था, अब इस रोग पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया है। प्रदेश में इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोजेक्ट (आई.डी.एस.पी.) के अंतर्गत रोगों की निगरानी प्रणाली को मजबूत किया गया है। प्रदेश में लाखों स्वास्थ्य संस्थानों को पोर्टल से जोड़ा गया है। नियमित रूप से रोगों की रिपोर्टिंग और निगरानी सुनिश्चित की गई। कोविड-19 सहित 16 प्रकार के रोगों की साप्ताहिक रिपोर्टिंग की जाती है। इस प्रणाली ने समय रहते रोगों की पहचान और नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रदेश में वर्ष 2017 में जहां सीमित प्रयोगशालाएं थीं, वहीं 2025 तक प्रदेश के सभी 75 जनपदों में जांच सुविधाएं उपलब्ध हो गईं। कुल 86 सेंटिनल लैब और नेटवर्क लैब स्थापित की गईं। डेंगू की मृत्यु दर 2017 के 0.91 प्रतिशत से घटकर 2025 में 0.03 प्रतिशत रह गई, यानी 96.70 प्रतिशत की कमी हुई है।

गुजरात पांचवें स्थान पर बरकरार, राजस्थान के पास नंबर-2 पर पहुंचे का मौका

बेंगलुरु तीसरी हार के बावजूद नंबर-2 पर

नई दिल्ली, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को IPL के मौजूदा सीजन में तीसरी हार झेलनी पड़ी। उसे गुजरात टाइटंस ने अपने होम ग्राउंड नरेंद्र मोदी स्टेडियम में में 4 विकेट से हराया। गुजरात ने 155 रन का टारगेट 15.5 ओवर में चेज कर लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही बेंगलुरु 19.2 ओवर में 155 रन पर ऑलआउट हो गई थी। कैरेबियाई ऑलराउंडर जेसन होल्डर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 29 रन देकर 2 विकेट झटके। साथ ही 10 बॉल पर 12 रन भी बनाए। इतना ही नहीं, 3 कैच भी पकड़े। राजस्थान की टीम पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर है। टीम के पास 6 जीत के सहारे 12 अंक हैं यानी कि उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए 3 जीत की जरूरत है। रॉयल्स की टीम ने अब तक 9 मैच खेले गए हैं, इनमें से 3 मैच में हार और 6 में जीत

मिली है। शेडयूल के अनुसार राजस्थान को 3 होम और 3 अवे मैच खेलने हैं। ऐसे में राजस्थान के प्लेऑफ की राह आसान है। मौजूदा सीजन में दिल्ली का कैंपेन उतना अच्छा नहीं रहा है। टीम 8 में से 3 मैच ही जीत सकी है।

मैच के बाद टीमों की पोजिशन में कोई बदलाव नहीं

बेंगलुरु-गुजरात मैच के नतीजे के बाद पॉइंट्स टेबल की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पंजाब किंग्स 13 अंक के साथ पहले पायदान पर है। लखनऊ सुपर जायंट्स सबसे निचले स्थान पर है।

- **बेंगलुरु ने 9 मैच खेले हैं, इनमें से उसे तीसरी हार का सामना करना पड़ा है, जबकि टीम के खाते में 6 जीत है। ऐसे में बेंगलुरु 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।**
- **गुजरात ने भी बेंगलुरु के बराबर 9 मैच खेले हैं। इनमें से टीम को 5 में जीत, जबकि 4 में हार झेलनी पड़ी है। इस तरह गुजरात के पास 10 अंक हैं और टीम 5वें पायदान पर है।**

ऐसे में कैपिटल्स के खाते में महज 6 अंक हैं और टीम 7वें नंबर पर है। दिल्ली को प्लेऑफ में प्रवेश करने के लिए अपने सभी 6 मैच जीतने होंगे। एक या दो मैच हारने की स्थिति में उसे अन्य टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर रहना होगा। वे पर्पल कैप लीडरबोर्ड की लिस्ट में पहले स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने हैदराबाद के ईशान मलिंगा को पीछे छोड़ा। आज राजस्थान के जोफ्रा आर्चर 4 विकेट लेकर भुवनेश्वर को पीछे छोड़ सकते हैं।

भुवनेश्वर कुमार टॉप विकेट टेकर्स बने

बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार ने मैच में 3 विकेट झटके। उन्होंने साई सुदर्शन, शुभमन गिल और जोस बटलर को पवेलियन की राह दिखाई। इन विकेटों के सहारे भुवनेश्वर के सीजन में 17 विकेट हो गए हैं।

टॉप स्कोरर की लिस्ट में कोई बदलाव नहीं

गुजरात-बेंगलुरु मैच के बाद ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा 425 रन के साथ टॉप स्कोरर की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। आज राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी के पास उन्हें पीछे छोड़ने का मौका है।

श्रीलंका विमेंस ने बांग्लादेश से टी20 सीरीज जीती

सिलहट। श्रीलंका महिला टीम ने सिलहट में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में बांग्लादेश को 21 रन से हराकर 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 154 रन बनाए, जवाब में बांग्लादेश निर्धारित ओवर में 5 विकेट पर रन ही बना सकी। श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 22 रन पर ही हसीनी परेरा का विकेट गंवा दिया। वह 11 गेंद पर 9 रन बनाकर आउट हुई। दूसरे विकेट के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू और इमेशा दुलानी के बीच 44 रन की साझेदारी हुई। इमेशा ने 25 गेंद पर 27 रन, जबकि अटापट्टू ने 37 गेंद पर 42 रन बनाए। श्रीलंका ने आखिरी 4 ओवर में 60 रन बनाए। इस दौरान हर्षिता समराविक्रमा ने 29 गेंदों पर 49 रन की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। नीलाक्षिका सिल्वा ने नाबाद 22 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए दिलारा अख्तर और जुएरिया फर्दोस की ओपनिंग जोड़ी ने 46 रन जोड़े। पावरप्ले के बाद श्रीलंका के स्पिनर्स ने रन गति को धीमा रखा। 7 से 14 ओवर तक बांग्लादेश सिर्फ 39 रन ही जोड़ सकी और 4 विकेट गवां दिए। इसके बाद जरुरी रन रेट बढ़ता ही गया और बांग्लादेश मैच हार गई।

5 मिनट और तेज हो सकती है मैराथन की रफ्ता

ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसर का दावा-जूतों के डिजाइन

नई दिल्ली, एजेंसी

लंदन की सड़कों पर रविवार को इतिहास बन गया, जब लंदन मैराथन में पहली बार दो धावकों ने 42.195 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम समय में पूरी कर दी। यह खेल इतिहास का ऐसा पल था, जिसे कभी असंभव माना जाता था। इन खिलाड़ियों ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि यह भी दिखाया कि इंसानी क्षमता की सीमाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर साइमन एंगस का मानना है कि यह रिकॉर्ड भी ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। उनका कहना है कि भविष्य में मैराथन का समय 1 घंटा 54 मिनट तक पहुंच सकता है, यानी मौजूदा रिकॉर्ड से करीब 5 मिनट 30 सेकंड तेज। एंगस पिछले कई वर्षों से मैराथन रिकॉर्ड्स का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने 2019 में अनुमान लगाया था कि 2 घंटे से कम समय का रिकॉर्ड 2032 तक बनेगा। बाद

में उन्होंने इसे 2027 तक संशोधित किया। लेकिन लंदन में जो हुआ, उसने उनकी सभी भविष्यवाणियों को पीछे छोड़ दिया। एंगस बताते हैं, 'यह सिर्फ दौड़ नहीं है, बल्कि विज्ञान, टेक्निक और कड़ी मेहनत का संगम है। आज के एथलीट्स बेहतर ट्रेनिंग, उन्नत जूतों, संतुलित पोषण और नई टेक्निक का फायदा उठा रहे हैं।' उनका मानना है कि आने वाले समय में जूतों के डिजाइन, कपड़ों के मैटेरियल और टेक्निक जैसे पहलुओं में बदलाव इस खेल को और तेज बना सकते हैं। हालांकि, इसके साथ डोपिंग नियंत्रण भी उतना ही जरूरी रहेगा, ताकि निष्पक्षता बनी रहे।

फास्ट न्यूज

राजेश खन्ना संग रिश्ते पर बोलीं अनीता आडवाणी

बॉम्बे हाई कोर्ट के राजेश खन्ना के साथ अनीता आडवाणी के रिश्ते को शादी मानने से इनकार करने के बाद अब अनीता ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक हालिया इंटरव्यू में उन्होंने कोर्ट के फैसले को 'न्याय का घोर मजाक' बताया है। अनीता ने साफ कर दिया है कि वह इस कानूनी लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगी और अपनी गरिमा के लिए संघर्ष जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों में से नहीं हैं।

दूसरी प्रेग्नेंसी के बीच शूटिंग करती दिखीं दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के बीच किंग फिल्म की शूटिंग करती दिखाई दी हैं। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की आने वाली फिल्म 'किंग' कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं। ये तस्वीरें साउथ अफ्रीका के केपटाउन शेड्यूल की बताई जा रही हैं। इसमें शाहरुख और दीपिका एक म्यूजिक सीक्वेंस के लिए शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण का लुक काफी कूल लग रहा है। दीपिका ने फ्लोरल प्रिंट का गाउन पहना हुआ है और वे सेट पर टहलती नजर आ रही हैं। वहीं, शाहरुख खान प्रिंटेड शर्ट में दिख रहे हैं, जिसके बटन उन्होंने खुले रखे हैं। बैकग्राउंड को देखकर लग रहा है कि यह किसी गाने की शूटिंग का हिस्सा है। इन तस्वीरों में सेट के बाकी क्रू मेंबर्स भी आसपास काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये तस्वीरें ऐसे समय में सामने आई हैं जब दीपिका पादुकोण ने हाल ही में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की जानकारी फैंस के साथ शेयर की है।

ऑनलाइन गेमिंग के लिए नए नियम आज से लागू

नई दिल्ली। देश में ऑनलाइन गेमिंग की इंडस्ट्री में आज से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सरकार ने प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026 शुक्रवार, 1 मई 2026 से लागू कर दिए हैं। इन नए नियमों का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन मनी गेमिंग से होने वाले वित्तीय और सामाजिक नुकसान को रोकना और भारत को ग्लोबल गेमिंग हब बनाना है। ऑनलाइन मनी गेम्स पर पूरी तरह बैन, विज्ञापन भी नहीं कर पाएंगे

'राजा शिवाजी' से सामने आया सलमान का लुक

मूंछ और भगवा पगड़ी में नजर आए, फिल्म में जीवा महाले के किरदार में दिखे

मुबंई, एजेंसी

फिल्म राजा शिवाजी में सलमान खान का पहला लुक सामने आया है, जिसमें वे मूंछों और भगवा पगड़ी में नजर आ रहे हैं। रितेश देशमुख निर्देशित यह फिल्म आज थिएटर्स में रिलीज हुई, जहां सलमान कैमियो करते हुए जीवा महाले के किरदार में दिखे। राजा शिवाजी मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म है। इसमें रितेश देशमुख मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म एक मल्टी-स्टारर प्रोजेक्ट है, जिसमें अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, फरदीन खान, विद्या बालन, बोमन ईरानी, महेश मांजरेकर और भाग्यश्री जैसे कलाकार हैं। फिल्म रिलीज के साथ ही सलमान का लुक सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वे पारंपरिक मराठा वेशभूषा में दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि सलमान के किरदार की

आधिकारिक पुष्टि पहले नहीं की गई थी। अब फिल्म रिलीज के बाद यह साफ हुआ है कि वे एक कैमियो रोल में नजर आए हैं। रितेश देशमुख ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान बताया था।

बर्थडे सेलिब्रेट करने मुंबई पहुंचे विराट, एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए

38 की हुईं अनुष्का शर्मा

आध्यात्मिकता की ओर बढ़ता रुझान

क्रिकेट और फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के बीच यह कपल आध्यात्मिक जीवन की ओर भी झुकाव दिखाता रहा है। हाल ही में विराट और अनुष्का वृंदावन में प्रसिद्ध संत Premanand Maharaj के आश्रम पहुंचे थे। यह यात्रा अक्षय तृतीया के अवसर पर 19 अप्रैल को हुई, जब दोनों ने संत के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और सत्संग में भाग लिया।

- **आश्रम में विराट और अनुष्का बेहद साधारण वेशभूषा में एकाग्र चित्त होकर महाराज जी की बातों को सुना।**
- **क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सोमवार को वृंदावन में संत प्रेमानंद से मुलाकात की।**

शादी और परिवार की झलक

विराट और अनुष्का की प्रेम कहानी लंबे समय से सुर्खियों में रही है। दोनों ने 11 दिसंबर 2017 को इटली में एक निजी समारोह में शादी की थी।

बार-बार आश्रम पहुंच रहा कपल

यह पहली बार नहीं है जब यह कपल संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए वृंदावन गया हो। अब तक विराट और अनुष्का कुल छह बार उनसे मिल चुके हैं। पहली मुलाकात 4 जनवरी 2023 को हुई थी। इसके बाद पिछले 16 महीनों में दोनों कई बार आश्रम पहुंचे। खास बात यह है कि बेटे अकाय के जन्म के बाद भी फरवरी में दोनों यहां आकर आशीर्वाद ले चुके हैं। साल 2025 में भी यह कपल तीन बार आश्रम गया था— जनवरी में बच्चों के साथ, मई में और फिर दिसंबर में।

वृंदावन यात्रा के दौरान विराट और अनुष्का का सादगी भरा अंदाज लोगों को खासा पसंद आया। बिना किसी वीआईपी व्यवस्था के दोनों आम श्रद्धालुओं की तरह आश्रम पहुंचे। दोनों ने जमीन पर बैठकर शांतिपूर्वक सत्संग सुना और पूरे समय संयमित एवं साधारण व्यवहार बनाए रखा। उन्होंने न तो कोई विशेष आग्रह किया और न ही किसी तरह की अलग व्यवस्था ली।

मुबंई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली शुक्रवार को अपनी पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ हैं का 38वां जन्मदिन मनाने के लिए मुंबई पहुंचे। आईपीएल 2026 के व्यस्त शेड्यूल के बीच कोहली का यह खास सफर चर्चा में रहा। उन्होंने अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के बीच मुकाबला खेलने के बाद सीधे मुंबई का रुख किया। सुबह-सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर उन्हें स्पॉट किया गया, जहां मौजूद पैपराजी ने उनसे अनुष्का को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए कहा। यह शादी बेहद चर्चित रही थी और इसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए थे। विराट कोहली जहां एक ओर क्रिकेट के मैदान पर अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, वहीं दूसरी ओर वे अपने परिवार और निजी जीवन को भी पूरा समय देते नजर आते हैं। अनुष्का शर्मा भी फिल्मों के साथ-साथ अपने परिवार और बच्चों की परवरिश पर ध्यान दे रही हैं। मुंबई में अनुष्का के जन्मदिन के इस खास मौके पर विराट का पहुंचना एक बार फिर इस बात को साबित करता है कि व्यस्तता के बावजूद यह कपल अपने रिश्ते और परिवार को प्राथमिकता देता है। शादी के बाद यह कपल दो बच्चों के माता-पिता बना—बेटी वामिका का जन्म 11 जनवरी 2021 को हुआ, जबकि बेटे अकाय का जन्म 15 फरवरी 2024 को हुआ। विराट और अनुष्का ने अब 6 बार संत प्रेमानंद से मुलाकात कर ली है। पहली बार 4 जनवरी, 2023 को दोनों संत प्रेमानंद से मिले थे। बीते 16 महीनों में दोनों की यह 5वीं मुलाकात है। 16 फरवरी को बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे। साल 2025 में भी यह कपल तीन बार आश्रम पहुंचा था, जनवरी में बच्चों के साथ, मई में और फिर दिसंबर में।

निजी और पेशेवर जीवन का संतुलन

विराट कोहली जहां एक ओर क्रिकेट के मैदान पर अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, वहीं दूसरी ओर वे अपने परिवार और निजी जीवन को भी पूरा समय देते नजर आते हैं। अनुष्का शर्मा भी फिल्मों के साथ-साथ अपने परिवार और बच्चों की परवरिश पर ध्यान दे रही हैं। मुंबई में अनुष्का के जन्मदिन के इस खास मौके पर विराट का पहुंचना एक बार फिर इस बात को साबित करता है कि व्यस्तता के बावजूद यह कपल अपने रिश्ते और परिवार को प्राथमिकता देता है। शादी के बाद यह कपल दो बच्चों के माता-पिता बना—बेटी वामिका का जन्म 11 जनवरी 2021 को हुआ, जबकि बेटे अकाय का जन्म 15 फरवरी 2024 को हुआ।

- **विराट-अनुष्का की शादी 11 दिसंबर 2017 को इटली में हुई**
- **दो बच्चे-बेटी वामिका (2021) और बेटा अकाय (2024)**
- **हाल ही में वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे**
- **अक्षय तृतीया (19 अप्रैल) पर दर्शन और सत्संग में लिया हिस्सा**
- **बिना बीआईपी व्यवस्था के आम श्रद्धालुओं की तरह जमीन पर बैठकर सत्संग सुना**
- **अब तक 6 बार संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात कर चुके हैं**

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुईं हेमा मालिनी

कहा- मुझे उनकी याद आती है, उनके बिना जिंदगी कैसे जीऊंगी नहीं जानती

मुबंई, एजेंसी

एक्ट्रेस हेमा मालिनी गुरुवार को अपने पति और एक्टर धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गईं। मुंबई में एक इवेंट का वीडियो सामने आया, जिसमें हेमा मालिनी ने कहा, 'उनका सफर पैशन, डेडिकेशन और ऑडियंस के लिए बहुत ज्यादा प्यार से भरा था। वो हमेशा यही कहते थे कि फिल्म दिल से जुड़ने का जरिया है। वह फिल्मों और कैमरे को लेकर पैशनेट थे। उनके लाइफ पार्टनर के तौर पर, मैंने देखा कि वह कितने पैशनेट थे और उन्होंने लाखों लोगों के दिलों को छुआ है और सबके साथ उनका व्यवहार ऐसा था।' एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उन्होंने एक एक्टर, एक दोस्त, एक पिता के तौर पर बहुत से लोगों को, यहां तक कि यंगस्टर्स को भी इंस्पायर किया है। वह एक महान इंसान थे और मैं बहुत खुशकिस्मत थी कि उनके साथ रही। मुझे उनकी याद आती

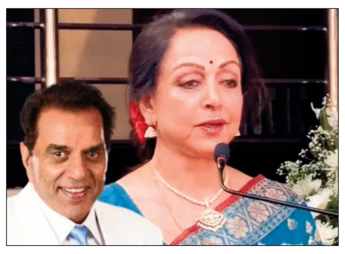

है। मुझे नहीं पता कि मैं उनके बिना जिंदगी कैसे जीऊंगी, लेकिन वह दूसरी बात है।' धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। धर्मेंद्र के निधन के 3 दिन बाद हेमा मालिनी ने उनके लिए भावुक पोस्ट शेयर की थीं। एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में, उनकी प्रतिभा, उनकी लोकप्रियता के बावजूद उनका विनम्र स्वभाव, और उनका सार्वभौमिक आकर्षण, इन सब ने उन्हें एक ऐसा अनोखा और अतुलनीय आइकन बना दिया, जिसकी मिसाल शायद ही किसी दिग्गज में मिलती है।

बढ़ोतरी : पिछले साल अप्रैल में 2.23 लाख करोड़ आए थे, इम्पोर्ट से होने वाली कमाई 25.8% बढ़ी

जीएसटी कलेक्शन ₹2.42 लाख करोड़, यह ऑलटाइम हाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के ग्रॉस GST कलेक्शन ने अप्रैल महीने में 2.42 लाख करोड़ का नया रिकॉर्ड बनाया। सरकारी डेटा के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के मुकाबले इसमें 8.7% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे पहले सबसे ज्यादा कलेक्शन अप्रैल 2025 में 2.23 लाख करोड़ रहा था। आमतौर पर हर साल अप्रैल के महीने में टैक्स कलेक्शन मजबूत रहता है। इसका मुख्य कारण यह है कि मार्च में वित्त वर्ष खत्म होते समय कंपनियां अपने पूरे साल के खातों का मिलान (रिकन्सिलिएशन) करती हैं। इसके चलते बकाया टैक्स का भुगतान अप्रैल में किया जाता है।

इकोनॉमी की सेहत दिखाता है जीएसटी कलेक्शन

जीएसटी कलेक्शन यह बताता है कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी तंदुरुस्त है। अगर कलेक्शन ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ रहा है और लोग ईमानदारी से टैक्स भर रहे हैं।

GST रिफंड क्या है: जब कोई कंपनी अपनी देनदारी से ज्यादा टैक्स चुका देती है या एक्सपोर्ट करती है, तो सरकार उसे टैक्स वापस करती है, जिसे रिफंड कहते हैं।

नेट vs ग्रॉस GST: ग्रॉस कुल इकट्ठा किया गया पैसा होता है, जबकि रिफंड घटाने के बाद बची राशि नेट रेवेन्यू कहलाती है।

जीएसटी को चार हिस्सों में डिवाइड किया गया है:

- **सीजीएसटी (केंद्रीय जीएसटी):** केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किया जाता है।
- **एसजीएसटी (राज्य जीएसटी):** राज्य सरकारों द्वारा एकत्र किया जाता है।
- **आईजीएसटी (एकीकृत जीएसटी):** अंतरराज्यीय लेनदेन और आयात पर लागू, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच विभाजित।
- **उपकर (सेस):** स्पेसिफिक पर्पज के लिए फंड जुटाने के लिए स्पेसिफिक गुड्स (जैसे, लग्जरी आइटम्स, तंबाकू) पर लगाया जाने वाला अतिरिक्त शुल्क।

आज से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ₹994 तक महंगा

नई दिल्ली। कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 मई से 994 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3071.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडर की कीमतों में 261 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब 'छोटू' सिलेंडर की रिफिल कीमत 813.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं। बदलावः तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 994 रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत 3071.50 हो गई है। पहले ये 2078.50 में मिल रहा था। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है। FTL सिलेंडर की कीमत 261 रुपए बढ़कर 813.50 रुपए हो गई है। पहले इसकी कीमत 552.50 रुपए थी। 5 किलो घरेलू सिलेंडर के दाम अभी भी 339 रुपए पर स्थिर हैं। FTL सिलेंडर को छोटू सिलेंडर भी कहते हैं।

एअर इंडिया अब हर दिन 100 फ्लाइट्स कम करेगी

वजह- फ्यूल की बढ़ती कीमतें और स्पेयर पार्ट्स की कमी, ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया अपनी इंटरनेशनल और डोमेस्टिक उड़ानों में करीब 10% की कटौती करने जा रही है। टाटा ग्रुप की यह एयरलाइन अक्टूबर के अंत से शुरू होने वाले विंटर शेड्यूल से रोजाना लगभग 100 उड़ानें बंद करेगी। वर्तमान में एयर-लाइन हर दिन करीब 900 उड़ानों का संचालन करती है। एयरलाइन ने यह बड़ा कदम जेट फ्यूल (ATF) की बढ़ती कीमतों और अपने पुराने बेड़े के लिए स्पेयर पार्ट्स की कमी के कारण उठाया है। एअर इंडिया के पास वर्तमान में लगभग 30 वाइड-बॉडी विमान स्पेयर पार्ट्स और इंजन की कमी की वजह से ग्राउंडेड हैं। हालांकि, एयरलाइन ने बोइंग और एयरबस को नए विमानों के बड़े

ऑर्डर दिए हैं, लेकिन उनकी डिलीवरी में अभी समय लगेगा। तब तक कंपनी उपलब्ध विमानों के साथ ही अपना शेड्यूल मैनेज करने की कोशिश कर रही है। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन ने भारत को उत्तरी अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया से जोड़ने वाले कई महत्वपूर्ण इंटरनेशनल रूट्स पर फ्लाइट्स की फ्रीक्वेंसी कम करने का फैसला लिया है। घरेलू रूट्स पर भी एअर इंडिया अपनी फ्रीक्वेंसी कम करेगी। कंपनी का प्लान मेट्रो-टू-मेट्रो रूट्स पर उन फ्लाइट्स को कम करने का है जहां वर्तमान में कई डेली सर्विसेज चल रही हैं। इससे एयरलाइन को अपने विमानों को अधिक मुनाफे वाले रूट्स पर लगाने या उन्हें स्टैंडबाय पर रखने में मदद मिलेगी, जिससे ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (OTP) में सुधार हो सके। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशनल कॉस्ट और विमानों की उपलब्धता की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। पिछले कुछ महीनों में जेट फ्यूल के दाम काफी बढ़े हैं, जिससे लंबी दूरी के कई रूट्स वर्तमान फ्रीक्वेंसी पर घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं। एअर इंडिया ने कहा कि हम मार्केट डिमांड और ऑपरेशनल दिक्कतों के आधार पर अपने फ्लाइट शेड्यूल की लगातार समीक्षा करते हैं।

महिलाओं ने स्मार्ट मीटर उखाड़कर फेंके

सैकड़ों महिलाएं सिर पर मीटर लेकर बिजली ऑफिस पहुंचीं, बोलीं- ये बर्दाश्त नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में बिजली विभाग के स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया गया। शुक्रवार को शहर से 20 किमी दूर अकोला कस्बे में सैकड़ों महिलाओं ने घरों से स्मार्ट मीटर उखाड़ लिए। सिर पर मीटर लेकर गांव के बिजली ऑफिस पहुंच गईं और वहां मीटर फेंक दिए। स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में काफी गुस्सा देखने को मिला। कई लोग बोरे में भरकर स्मार्ट मीटर लेकर पहुंचे और उन्हें फेंककर विरोध जताया। इसके बाद करीब 500 महिलाएं और ग्रामीण धरने पर बैठ गए। बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। महिलाओं ने कहा- स्मार्ट मीटर उन्हें बर्दाश्त नहीं हैं। स्मार्ट मीटरों की व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और बिजली बिलों में हो रही अनियमितताओं की जांच कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि स्मार्ट मीटर बहुत तेज चलता है। इससे

कम इस्तेमाल करने पर भी ज्यादा बिल आ रहा है। यहां तक की कई बार बिना इस्तेमाल के भी बैलेंस कम हो जाता है। लोगों का कहना है कि बैलेंस माइनस में जाते ही बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है। रिचार्ज के बाद भी कई बार सप्लाई तुरंत बहाल नहीं होती। स्मार्ट मीटर को कई महीनों से हो रहे विरोध के बाद प्रदेश सरकार ने सरकार को नया आदेश जारी किया था। इसके मुताबिक, 1 किलोवाट तक के कनेक्शन पर 30 दिन तक और 2 किलोवाट पर 200 रुपए माइनस होने पर भी बिजली नहीं काटने की बात कही गई थी।

अखिलेश बोले- जनता ने चोरी पकड़ी, अभी स्मार्ट मीटर तोड़े रहे, अगली बार ईवीएम

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने X पर कहा- भाजपा सरकार ने जनता को लूटने के लिए टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग किया है। प्रीपेड मीटर के नाम पर बिजली में भ्रष्टाचार की लूट मचा रखी है। अब उनकी चोरी जनता ने पकड़ ली है। इस बार स्मार्ट मीटर तोड़ें जा रहे हैं, अगली बार ईवीएम।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष राजवीर लवानिया ने कहा- राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के आदेशानुसार यह निर्णय लिया गया है कि यूपी में कहीं भी स्मार्ट मीटर नहीं लगने दिए जाएंगे। अकोला ब्लॉक में किसानों और मजदूरों ने स्मार्ट मीटरों को उखाड़ कर बिजली विभाग के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया है।

आगरा के ग्रामीणों ने कहा- स्मार्ट मीटर से बिजली बिल बढ़ रहे

आगरा के अकोला कस्बे के ग्रामीणों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने से बिजली बिल बढ़ रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति पर बोझ बढ़ रहा।

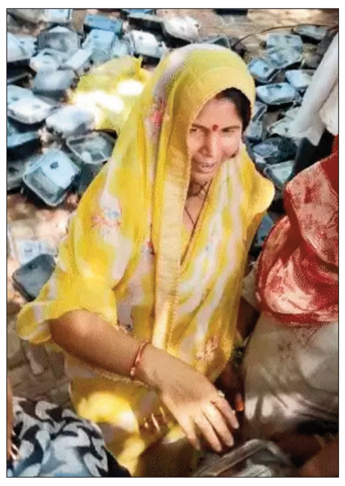

महिलाओं ने कहा- स्मार्ट मीटर उन्हें बर्दाश्त नहीं हैं। स्मार्ट मीटरों की व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से रोका जाए।

स्मार्ट मीटर पर सरकार ने कहा था- 30 दिन तक बिजली नहीं कटेगी

यूपी सरकार ने एक हफ्ते पहले यानी 24 अप्रैल को स्मार्ट मीटर वाले बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी थी।

असली गिरगिट का काम तो भाजपा कर रही : अखिलेश

भाजपा की साजिश हार गई तो विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- कल हम लोग सदन में सीएम योगी को सुन रहे थे। पूरी बीजेपी इस कोशिश में है कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर यह साबित किया जाए कि विपक्ष इसके खिलाफ है। सच्चाई यह है कि भाजपा देश की नारियों, महिलाओं को आरक्षण देना नहीं चाहती है। सपा प्रमुख ने सीएम के गिरगिट वाले बयान पर पलटवार किया। कहा- गिरगिट को करीब से देखिए तो एक रंग से दूसरे रंग में मिलता है। असली गिरगिट का काम तो भाजपा कर रही है। भाजपा की साजिश हार गई है, इसलिए यह विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आए। उनकी साजिश का खुलासा हो गया। उन्होंने कहा- नारी वंदन को केवल नारा

बनाना चाहते हैं। इसी साजिश के तहत ये लगातार सड़क और सदन में ऐसा कर रहे हैं। उनकी भाषा गिरगिटी है। आप खुद जानते हैं कि असली गिरगिट कौन है। महिलाएं कितनी असुरक्षित हैं। भाजपा के काम करने के तरीके की वजह से लोग कानून को नहीं मान रहे हैं। न्याय के लिए न्यायिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा- इनॉगरेशन के बाद गंगा एक्सप्रेस-वे बंद कर दिया। इनके पहले के उद्घाटन भी देखे हैं। पता नहीं क्या-क्या महंगा हो जाता है। सिलेंडर के बढ़ने से रोटी से लेकर सबकुछ महंगा हो जाता है। ये लोग अपने लोगों का मुनाफा कम नहीं होने देते हैं। यूपी के सारे ठेकेदार हाथ खड़े कर देंगे कि सड़क कैसे बनाएं। मुश्किल है कि हम किस पर भरोसा करें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- यूपी में जो ट्रायल किया था, उसका ऑपरेशन पश्चिम बंगाल में किया। पैरलल स्ट्रक्चर, सेंट्रल फोर्स का। रिवॉल्वर लगाकर वोट रोक दिया। इसके बाद भी दीदी ऐतिहासिक वोट से जीतेंगी। भाजपा की लाई हुई तकनीक पर भरोसा नहीं कर सकते। भाजपा की साजिश हारेगी। जनता समझदार है। इसलिए, महिलाएं इस आंदोलन में नहीं जुड़ रही हैं। सपा प्रमुख ने कहा- भाजपा अरावली को बेचने जा रही थी। पहले से ही भाजपा तैयारी करती है।

फास्ट न्यूज

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर दायर याचिका को रद्द कर दिया है। राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस के खिलाफ बयान दिया था। इसी बयान के खिलाफ FIR दर्ज करने की याचिका दाखिल हुई थी। इस मामले में 9 अप्रैल को हाईकोर्ट के जस्टिस विक्रम डी. चौहान की सिंगल बेंच सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया था।

शादी में पत्नी को गोली मारकर पति ने किया सुसाइड

भरतपुर। शादी समारोह में पति ने पत्नी को गोली मार दी। फिर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मामला भरतपुर जिले के रूपवास थाना क्षेत्र के सिंघावली गांव का शुक्रवार दोपहर करीब 12:15 बजे का है। थानाधिकारी विनोद मीणा ने बताया- यूपी में आगरा के बरुअर निवासी राघवेंद्र (31) की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी राधिका (28) गंभीर घायल है। सिंघावली गांव राधिका का पीहर है। शुक्रवार दोपहर राधिका के चाचा की लड़की के लग्न का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान राधिका और राघवेंद्र में कहासुनी हो गई। वह राधिका को कमरे में ले गया। कमरा बंद कर उसने पहले देसी कट्टा से राधिका की छाती में गोली मारी। फिर खुद के सीने पर फायर कर लिया। गोली चलने की आवाज सुनकर राधिका के परिजन कमरे की तरफ भागे। उन्होंने कमरे का गेट तोड़ा और दोनों को बाहर निकाला।

रोटरी क्लब लगाएगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

उन्नाव। उन्नाव में आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आगामी रविवार को रोटरी क्लब उन्नाव, लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल के सहयोग से यह शिविर लगाएगा। आयोजकों ने एक प्रेस वार्ता में शिविर की विस्तृत जानकारी दी। शिविर में मरीजों की बीपी, शुगर सहित सामान्य बीमारियों की जांच पूरी तरह निःशुल्क की जाएगी।

26 साल की महिला की गर्दन काटकर हत्या

पति 1 घंटे पहले ही घर से गया था, लौटा तो लाश देख फूट-फूटकर रोया

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में शुक्रवार सुबह 26 साल की महिला की गर्दन काटकर हत्या कर दी गई। लाश कमरे में बेड के बगल में फर्श पर पड़ी हुई थी। वारदात से एक घंटा पहले पति ई-रिक्शा लेकर मंडी गया था। वारदात का पता सुबह 8 बजे उस वक्त चला, जब उसकी तीनों बच्चियां मकान मालिक के पास पहुंचीं। उन्होंने पापा से बात कराने को कहा, तो मकान मालिक ने फोन मिलाकर दे दिया। बच्चियां फोन लेकर दूसरी मंजिल पर चली गईं और बात करते-करते रोने लगीं। आवाज सुनकर मकान मालिक की पत्नी ऊपर गईं, जहां उन्होंने महिला की लाश देखी। थोड़ी देर बाद ही पति साकिब (30) भी पहुंच गया। पत्नी कौसर की लाश देखकर वह दिल पर हाथ रखकर फूट-फूटकर रोने लगा। घटना शहर के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र की है। फिलहाल पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द से जल्द घटना का खुलासा किया

जाएगा। लिसाड़ी थाना क्षेत्र के मजीद नगर गली नंबर-3 में इसरार उर्फ सोनू रहते हैं। उन्होंने संवाददाता से बताया- वे टावर का काम करते हैं। वे अपनी पत्नी फराह और तीन बच्चों के साथ रहते हैं। उनके मकान की दूसरी मंजिल पर साकिब किराए पर रहता है। उसकी पत्नी कौसर गाजियाबाद के लोनी की रहने वाली थी। दोनों की शादी को 7 साल हो चुके थे। उनकी तीन बेटियां हैं- सानिया (6), कुलसुमिनार (4) और इनाया (डेढ़ साल)। सुबह 8 बजे साकिब के बच्चे नीचे उनके पास आए और उनकी पत्नी से कहा कि अब्बू को कॉल करा दो।

पत्नी को कॉल कर 11वीं मंजिल से कूदा प्रॉपर्टी डीलर

बोला- आईपीएल में बहुत कुछ हार गया हूं, 8 महीने पहले की थी लव मैरिज

जैसे ही प्रबल के गिरने की आवाज आई, लोग दौड़ पड़े। इसके बाद एंबुलेंस बुलाई गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 35 साल के प्रॉपर्टी डीलर ने 11वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। वह IPL मैच में सट्टा लगाता था। गुरुवार को आरसीबी और गुजरात जायंट्स के मैच में वह लाखों रुपए हार गया। इसके बाद उसने पत्नी को फोन किया, रोते हुए बोला कि बहुत कुछ हार गया हूं। पत्नी ने समझाया, लेकिन वह मैच के दौरान ही अपार्टमेंट की बालकनी से नीचे कूद गया। घटना गुडंबा थानाक्षेत्र के जनेश्वर अपार्टमेंट की है। मृतक युवक का नाम प्रबल जैन है। वह सीतापुर का रहने वाला था। यहां किराये पर रहता था। 8 महीने पहले उसने लव मैरिज की थी। हादसे के वक्त पत्नी सीतापुर में थी। प्रबल जैन और झारखंड के बोकारो की रहने

जैसे ही प्रबल के गिरने की आवाज आई, लोग दौड़ पड़े। इसके बाद एंबुलेंस बुलाई गई।

वाली शिवानी की मुलाकात इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी। यहीं दोनों के बीच प्रेम संबंध बना और बाद में उन्होंने विवाह कर लिया। इन्क्लेव के निवासियों के मुताबिक, दोनों पिछले साल दिवाली के समय यहां रहने आए थे और लोगों से ज्यादा मेलजोल नहीं रखते थे। बताया जा रहा है कि मृतक के पिता ने भी कुछ समय पहले आत्महत्या की थी, जबकि मां का भी निधन हो चुका है। उसके गिरने की आवाज सुनकर लोग दौड़कर वहां पहुंचे, लेकिन युवक की मौत हो चुकी थी।

साथ पढ़ाई के दौरान हुआ प्रेम, फिर की शादी

प्रबल जैन और झारखंड के बोकारो की रहने वाली शिवानी की मुलाकात इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी। यहीं दोनों के बीच प्रेम संबंध बना और बाद में उन्होंने विवाह कर लिया। इन्क्लेव के निवासियों के मुताबिक, दोनों पिछले साल दिवाली के समय यहां रहने आए थे और लोगों से ज्यादा मेलजोल नहीं रखते थे। बताया जा रहा है कि मृतक के पिता ने भी कुछ समय पहले आत्महत्या की थी, जबकि मां का भी निधन हो चुका है।

लोग बाहर ही टहल रहे थे, गिरने की आवाज से दौड़े

गुरुवार रात करीब 8.30 बजे प्रबल ने 11वीं मंजिल से नीचे छलांग लगाई। बारिश के बाद मौसम सुहाना होने की वजह से लोग बाहर की तरफ घूम रहे थे। नीचे गिरने की आवाज से भीड़ जमा हो गई। मौके पर चीख पुकार मच गई। वहां मौजूद लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एसीपी गाजीपुर अनिंद्य विक्रम सिंह ने बताया कि मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें मैच में रुपए हारने की बात लिखी है। पत्नी और परिवार से माफी मांगी है।

बैंक स्टेटमेंट और परिवार की शिकायत के आधार पर जांच की जाएगी।

प्रबल जैन और शिवानी की मुलाकात इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी।

पत्नी बोली- मुझे रोते हुए फोन किया था

पुलिस ने बताया है कि पत्नी शिवानी ने पूछताछ में बताया है कि वह हमेशा आईपीएल देखते रहते थे। कल रात में भी वह मैच देख रहे थे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर तमंचे के साथ पकड़ा गया युवक

दुबई नौकरी करने जा रहा था, अधिकारियों ने लिखाई एफआईआर, पुलिस को सप्लाई का शक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर एक युवक तमंचे के साथ पकड़ा गया है। उसने लगेज के अंदर तमंचा छिपा रखा था। काउंटर पर जैसे ही लगेज लेकर गया तो उसकी जांच हुई तो उसमें तमंचा निकला। एयरपोर्ट के सिक्योरिटी गार्ड्स ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अधिकारियों ने सरोजनी नगर थाने से पुलिस बुला ली। इसके बाद युवक के खिलाफ FIR दर्ज करवाई। पुलिस को तमंचा के दुबई में सप्लाई किए जाने का शक है। युवक की पहचान गोंडा के चांदपुर लखपत राय के महेश कुमार चौहान के रूप में हुई। वह 12वीं पास है। घटना शुक्रवार सुबह की है। युवक महेश कुमार चौहान सुबह एयरपोर्ट पहुंचा। वह एअर इंडिया की फ्लाइट (आईएक्स 193) से दुबई जाने वाला था। बुकिंग काउंटर पर लगेज की

आरोपी को सरोजनी नगर पुलिस ने हिरासत में लिया है।

सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग की तलाशी ली गई। जांच में उसके बैग से 12 बोर का तमंचा निकला। सुरक्षाकर्मियों ने महेश को तमंचे के साथ पकड़ा और सरोजनी नगर पुलिस को सौंप दिया।

युवक की क्रिमिनल हिस्ट्री नहीं, लेकिन अलर्ट

एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लेवल 2ए सुपरवाइजर आदर्श मिश्रा की तहरीर पर सरोजनी नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। युवक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। गोंडा के सभी थानों से उसकी डिटेल खंगाली जा रही है। शुरुआती जांच में आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। फिर भी पुलिस सतर्कता बरत रही है।

कार्रवाई : मुरादाबाद पुलिस ने पैर में मारी गोली, उम्र-45 साल, लेडीज टेलर है आरोपी

महिला से छेड़खानी करने वाले का एनकाउंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में बुर्का पहने महिला से सुनसान गली में छेड़खानी करने वाले 45 साल के आरोपी नौशाद का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। उसके बाएं पैर में गोली लगी है। गुरुवार रात 11 बजे पुलिस ने उसे घेरा तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। फिलहाल, उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुठभेड़ शहर की जामा मस्जिद के पास हुई। आरोपी लेडीज टेलर है। उसकी शादी नहीं हुई है। नौशाद ने 29 अप्रैल यानी दो दिन पहले महिला से छेड़खानी की थी। विरोध करने पर वह महिला को छोड़कर भाग गया था। गुरुवार को घटना का CCTV सामने आने के बाद पुलिस ने उसकी पहचान की। पांच टीमें उसकी तलाश में लगी थीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि वह पहले भी कई महिलाओं के साथ अभद्रता कर चुका है। हालांकि, इससे पहले किसी महिला ने उसके खिलाफ

एसपी ने बताया- पुलिस ने छेड़छाड़ की शिकार महिला को भी ट्रेस कर लिया है। उसकी तहरीर पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। SP सिटी रण विजय सिंह ने बताया कि बुधवार को मुगलपुरा थाना क्षेत्र में नौशाद ने सरेआम एक महिला के साथ अश्लील हरकत की थी। उसकी करतूत CCTV में कैद हो गई थी, जिसके जरिए उसकी पहचान की गई। वह कटघर मोहल्ले का रहने वाला है।नौशाद को पकड़ने के लिए पुलिस की पांच टीमें लगी हुई थीं। उन्होंने बताया- गुरुवार रात 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि नौशाद मुगलपुरा थाना क्षेत्र में रामगंगा नदी के किनारे जामा मस्जिद के पास मौजूद है। वह छिपने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीमों ने पूरे इलाके को घेर लिया। पुलिस ने नौशाद से सरेंडर करने को कहा, लेकिन उसने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी फायरिंग में वह जख्मी होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। उसके पास से एक तमंचा और तीन कारतूस बरामद हुए हैं।

चिल्लाने पर आरोपी छोड़कर भागा, महिला ने दौड़ा लिया था

पीड़िता के मुताबिक, वह बुधवार दोपहर अपने काम से जा रही थी, तभी एक व्यक्ति उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। मेरे चिल्लाने पर भाग गया था। वहीं, CCTV में दिख रहा कि महिला बुर्का पहनकर हाथ में बैग लिए गली से गुजर रही है। तभी नौशाद उसके पीछे-पीछे आता है। कुछ देर तक चुपचाप चलता रहता है। अचानक वह महिला के पास पहुंचकर उसे पकड़ लेता है और अश्लील हरकत करता है। महिला के चीखते ही आरोपी भागने लगता है। महिला कुछ दूर तक उसका पीछा करती है और जोर-जोर से चिल्लाती है, लेकिन नौशाद फरार हो जाता है।

पृष्ठ 01 का शेष...

श्रमिकों को 5 ...

तुम्हार मजदूरी केहू नहीं हड़प सकत। केतनव बड़ा गुंडा होए, उसका इलाज हम करब। हमारी सरकार मा तुम लोगन के सम्मान की गारंटी है। सीएम ने कहा- आपके लिए कोई भी मौसम हो, गैस कनेक्शन के लिए भटकना नहीं पड़ता है। यूपी में 2 करोड़ उज्ज्वला के कनेक्शन हैं। पहले कुछ लोग गरीबों का राशन चट कर जाते थे। अब प्रदेश के 16 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है। जो भी गरीब के हक में डकैती डालता था, उसकी जगह हवालात में है। सीएम योगी बोले- आपके बच्चे पढ़ाई से वंचित नहीं रहेंगे। उनके लिए अटल आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां सीबीएसई बोर्ड की भी पढ़ाई कराई जा रही है। आज नोएडा के जेवर में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय की आधारशिला रखी है जिसमें केवल श्रमिकों के बच्चों का एडमिशन होगा। योगी ने कहा- किसी भी बड़े अस्पताल को बनाने में श्रमिक के पसीने की बूंद लगी है। वहां पर आज श्रमिक इलाज करा पा रहा है क्योंकि उसके पास आयुष्मान कार्ड है। जो भी श्रमिक यूपी के बचे हुए हैं, उनके लिए आयुष्मान कार्ड बनवाने की मैं घोषणा कर रहा हूं। सीएम ने कहा- सर्दी, गर्मी, बरसात कोई भी मौसम हो, श्रमिक लगे रहते हैं। इसके बावजूद वे अभाव में जीते हैं। वे हमारे लिए घर बनाते थे, लेकिन विडंबना है कि हम अब तक उनके लिए घर नहीं दे पाए। जो श्रमिक दूसरों के लिए इज्जतघर बनाते थे, उनकी इज्जत सड़कों पर थी। जो दूसरों के बच्चों के लिए स्कूल बनाते थे, उनके बच्चे खुद मुख्यधारा से अलग थे। सीएम योगी ने कहा- जो लोग समृद्धि के विरोधी हैं, विकास के विरोधी हैं, वो नहीं चाहते कि हम उन्नति करें। वो बहकाएंगे लेकिन हमें बहकना नहीं है। याद रखना- जहां औद्योगिक अशांति हुई है, वहां खंडहर के सिवाय कुछ नहीं बचा। हमें किसी भी स्थिति में औद्योगिक अशांति नहीं होने देना है। सीएम योगी ने कहा- उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कोई सुरक्षा की गारंटी नहीं होती। हम तैयारी कर रहे हैं कि उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को 5 लाख का बीमा मिले। हम नहीं चाहते कि किसी के साथ कोई घटना हो। लेकिन, विपरीत परिस्थितियों में उनके परिवार को मदद मिलनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के एक करोड़ श्रमिकों को आयुष्मान योजना के तहत हेल्थ कार्ड मिलेगा। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा- हमारा श्रमिक न थकता है, रुकता है लेकिन जब हमारे श्रमिक का पसीना धरती मां पर गिरता है तब ये धरती सोना उगलती है। अपने भाषण को समाप्त करने के बाद डिप्टी सीएम ने श्रमिकों के सामने हाथ जोड़े।

अजय राय की ...

इस पर वे आवास जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही वो बेहोश हो गए। मेदांता अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती होने के बाद अजय राय का ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा गया। लखनऊ में कांग्रेस ने शुक्रवार को श्रमिक दिवस और बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर शिक्षक और डॉक्टरों का सम्मेलन किया। इसमें दिल्ली से अविनाश पांडेय और सुप्रिया श्रीनेत समेत कई नेताओं ने हिस्सा लिया। अजय राय यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय को कार्यक्रम के बाद एयरपोर्ट ड्राप करने गए थे। उसके बाद माल एवेन्यू स्थित पार्टी ऑफिस में वापस आए। यहां पर दूसरा कार्यक्रम चल रहा था। तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। उनके सीने में दर्द हुआ। इस पर अजय राय ने साथियों से कहा कि उन्हें घबराहट हो रही है। घर ले चलो। अजय राय को तेलीबाग स्थित उनके अपार्टमेंट में ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी तबीयत और बिगड़ गई। तुरंत उनको मेदांता हॉस्पिटल ले जाया गया। मेदांता लखनऊ के निदेशक डॉ.राकेश कपूर ने बताया, अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को लाया गया था।

एमपी के क्रूज ...

मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस मामले में दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही, पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शासन ने हर संभव सहायता देने का भरोसा दिलाया है। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 43 से 47 पर्यटक थे। टिकट सिर्फ 29 लोगों की कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ, जिस समय क्रूज डूबा, उस वक्त हवा की रफ्तार 74 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा के मुताबिक, SDRF ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवार जनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

15 मतदान केंद्रों ...

देर रात करीब 12:07 बजे बाहर निकलकर उन्होंने मीडिया से कहा, 'अगर EVM लूटने और मतगणना में हेरफेर की कोशिश हुई तो हम जान की बाजी लगा देंगे।' जिन बूथों पर कुछ समय के लिए सीसीटीवी या कैमरे बंद हो गए थे, उनमें से कम से कम एक बूथ पर फुटेज रुकने से पहले मतदान प्रतिशत करीब 56 से 58 फीसदी था। बाद में जब कैमरे दोबारा चालू हुए, तो वोटिंग प्रतिशत में अचानक काफी बढ़ोतरी दर्ज की गई। चुनाव आयोग उस दौरान की फुटेज को रिकवर करने की कोशिश कर रहा है।

बाइक पार्ट्स गोदाम में भीषण आग लगी

12 कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई, 50 मीटर ऊंची लपटें उठीं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में बारादेवी चौराहा के पास राखी मंडी स्थित एक बाइक पार्ट्स गोदाम में शुक्रवार शाम भीषण आग लग गई। उस समय गोदाम में 12 कर्मचारी काम कर रहे थे। आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। सभी लोग किसी तरह बाहर भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। गोदाम में काम करने वाले राजू ने बताया- ऊपर बिल्डिंग का निर्माण काम चल रहा था, तभी अचानक आग लगती दिखाई दी। शुरुआत में वहां मौजूद सिलेंडर से आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन आग तेजी से फैल गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। लपटें 50 मीटर तक आसमान में उठने लगीं, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। भीषण आग के बाद हालात को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल

तैनात कर दिया गया है। पुलिस टीम भीड़ को घटनास्थल से दूर कर रही है, ताकि राहत और बचाव कार्य में किसी तरह की बाधा न आए और स्थिति को नियंत्रण में रखा जा सके।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676